तर्ज- कहे तोसे सजना

कहे तोसे दूल्हा,ये तोहरी दुल्हनियां
माया के फंद छुड़ा के,धाम को चलो ना
1- मूल मिलावे में बैठी रूहें सारी,
तिलसम में सुरता उनकी उतारी
जुदा जुदा होकर बैठी ये निजवतनियां
2- बैठी झूठ को सांच बना के,
भूली है कौल वो धाम से आके
वतन भुलाया अपनाया सपना
3- आखिर तो रूहें तन हैं तिहारी
लाड में भूली जो साहेबी तुम्हारी
इश्क लौटा दो अपना हमसे जो छीना
4- वाणी लेकर खुद आए
निसवत धाम की याद दिलायें
वाणी से मिलता है निजसुख अपना
5- हारी हैं हारी रूहें तिहारी
अब तो जगाओ परआत्म हमारी
खत्म करो पिया झूठा ये सपना

Nijanand App